सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 12 ● अंक: 39 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार 14 मार्च, 2026

किसी बच्चे की शिक्षा अपने ज्ञान तक सीमित मत रखिये, क्योंकि वह किसी और समय में पैदा हुआ है।
–रवीन्द्रनाथ टैगोर

मूल्य ₹ 3/-

अधिक वनडे खेलने पर विचार कर... 7 | गौरव गोगोई हेमंत सोरेन से... 3 | गैस लापता हो गई, सरकार खुद... 2

डर गयी सरकार, सवालों से सत्ता में घबराहट

170 दिनों बाद जेल से रिहा होंगे सोनम वांगचुक

» मंत्रालय ने हटाया राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, सुप्रीम कोर्ट ने लगाई थी सरकार को लताड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इतिहास गवाह है कि जब भी सत्ता सवालों से घबराती है तो सबसे पहले आवाज़ों को कैद करने की कोशिश करती है। कभी किताबें प्रतिबंधित होती हैं कभी आंदोलनकारियों को देशद्रोही कहा जाता है और कभी राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे भारी भरकम कानूनों के पीछे असहमति की आवाजों को बंद कर दिया जाता है। लेकिन इतिहास यह भी बताता है कि सच को ज्यादा दिनों तक कैद नहीं रखा जा सकता। जनता का दबाव और सुप्रीम कोर्ट की लताड़ के बाद गृह मंत्रालय ने समाजिक और पर्यावरणविद सोनम वांगचुक पर लगे राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम को वापस लेकर उनकी रिहाई का रास्ता साफ कर दिया है।

करीब 170 दिनों की हिरासत के बाद केंद्र सरकार ने अचानक उनकी गिरफ्तारी रद्द करने का फैसला किया है। यह वही कानून है जिसे आमतौर पर देश की सुरक्षा के लिए बेहद गंभीर मामलों में इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या एक पर्यावरण कार्यकर्ता की आवाज़ इतनी खतरनाक थी कि उसे राष्ट्रीय सुरक्षा के दायरे में डालना पड़ा? दरअसल वांगचुक को पिछले साल लद्दाख में हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद हिरासत में लिया गया था। आरोप लगाया गया कि उनके आंदोलन से कानून व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। उन्हें हिरासत में लेकर राजस्थान की जोधपुर जेल में रखा गया। उस समय सरकार ने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा कदम बताया था। लेकिन अब अचानक वही सरकार पीछे हटती दिखाई दे रही है। बयान में कहा गया कि लद्दाख में शांति और संवाद का माहौल बनाने के लिए यह निर्णय लिया गया है।

फैसला राजनीतिक और न्यायिक दबाव का परिणाम

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यह केवल प्रशासनिक फैसला नहीं बल्कि राजनीतिक और न्यायिक दबाव का परिणाम भी हो सकता है। क्योंकि जिस मामले को राष्ट्रीय सुरक्षा का खतरा बताकर पेश किया गया था वही मामला अब संवाद और शांति की भाषा में बदल गया है। यही वह विरोधाभास है जिसने पूरे प्रकरण को सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है। अगर वांगचुक की गतिविधियां वास्तव में राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा थीं तो फिर अचानक उनका खतरा कैसे खत्म हो गया? और अगर खतरा नहीं था तो फिर इतने महीनों तक उन्हें जेल में क्यों रखा गया? इन सवालों के जवाब अभी भी हवा में तैर रहे हैं। लेकिन इतना तय है कि 170 दिनों के बाद जेल से निकलने वाले सोनम वांगचुक अब सिर्फ एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक प्रतीक बन चुके हैं एक ऐसी आवाज का प्रतीक जिसे दबाने की कोशिश हुई लेकिन जिसे पूरी तरह चुप नहीं कराया जा सका।

सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी रद्द करने का गृह मंत्रालय का फैसला

यह घटना भविष्य के लिए कोई सबक बनेगी?

लोकतंत्र में सत्ता की ताकत का असली परीक्षण इसी बात से होती है कि वह असहमति को कैसे संभालती है। अगर हर असहज आवाज को खतरा मानकर जेल में डाल दिया जाए तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर पड़ जाती है। सोनम वांगचुक की रिहाई शायद यही याद दिलाती है कि विचारों को कैद करने की कोशिशें इतिहास में कभी ज्यादा देर तक सफल नहीं हुई। और यही कारण है कि 170 दिनों के बाद जेल से निकलने वाले यह पर्यावरणविद अब केवल एक कार्यकर्ता नहीं बल्कि एक प्रतीक बन चुके हैं। एक ऐसी आवाज़ का प्रतीक जिसे दबाने की कोशिश हुई लेकिन जिसे आखिरकार फिर बोलने का मौका मिल गया।

अब क्या बदलेगा आंदोलन राजनीति और संदेश

सोनम वांगचुक की रिहाई केवल एक व्यक्ति की आजादी की कहानी नहीं है। यह उस बहस का हिस्सा बन गई है जिसमें सवाल उठता है कि लोकतंत्र में असहमति की आवाजों के साथ कैसा व्यवहार होना चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि इस फैसले का सबसे बड़ा असर यह होगा कि सरकारें अब ऐसे मामलों में अधिक सावधानी बरतने को मजबूर होंगी। जब किसी सामाजिक कार्यकर्ता पर राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे गंभीर कानून लगाए जाते हैं तो उसका असर केवल एक व्यक्ति पर नहीं बल्कि पूरे लोकतांत्रिक माहौल पर पड़ता है। वांगचुक की रिहाई के बाद लद्दाख में चल रहे आंदोलनों को भी नई ऊर्जा मिलने की संभावना है। उनके समर्थकों का कहना है कि यह केवल शुरुआत है और अब क्षेत्र से जुड़े मुद्दों को और मजबूती से उठाया जाएगा। राजनीतिक स्तर पर भी यह मामला लंबे समय तक चर्चा में रहने वाला है। विपक्ष पहले ही इसे सरकार की बड़ी गलती बताने लगा है और कह रहा है कि अगर शुरुआत से ही संवाद का रास्ता अपनाया जाता तो इतनी बड़ी विवाद की स्थिति ही पैदा नहीं होती।

फजीहत हो रही थी सरकार की

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर मामला अदालत में लंबा चलता और सुप्रीम कोर्ट सीधे हिरासत को अवैध घोषित कर देता तो यह सरकार के लिए बड़ी फजीहत बन सकता था। इसलिए उससे पहले ही कदम पीछे खींच लिया गया। यानी सरकार ने वह रास्ता चुना जिसमें नुकसान कम से कम हो। फैसले को संवाद और शांति के नाम पर पेश किया गया लेकिन आलोचकों का कहना है कि असली वजह न्यायिक और राजनीतिक दबाव ही था।

सरकार ने अचानक क्यों बदला फैसला?

सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर सरकार ने अचानक यह फैसला क्यों लिया। जिन आरोपों के आधार पर वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत में लिया गया था वही आरोप अब अचानक कमजोर कैसे पड़ गए? सूत्रों और कानूनी विशेषज्ञों के मुताबिक इस फैसले के पीछे कई कारण हो सकते हैं। पहला और सबसे बड़ा कारण न्यायिक दबाव माना जा रहा है। मामला सुप्रीम कोर्ट आफ इंडिया तक पहुंच चुका था और अदालत ने सरकार से कड़े सवाल पूछने शुरू कर दिए थे। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि अगर मामला आगे बढ़ता तो अदालत सरकार से यह पूछ सकती थी कि आखिर एक पर्यावरण कार्यकर्ता को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत में रखने के ठोस सबूत क्या हैं। दूसरा कारण सबूतों की कमजोरी भी माना जा रहा है। कई बार प्रशासनिक स्तर पर बड़े कानूनों का इस्तेमाल तो कर लिया जाता है लेकिन अदालत में उन्हें साबित करना मुश्किल हो जाता है। अगर ऐसा होता तो अदालत सीधे हिरासत को रद्द कर सकती थी जिससे सरकार को भारी आलोचना का सामना करना पड़ता। तीसरा कारण अंतरराष्ट्रीय दबाव भी बताया जा रहा है। सोनम वांगचुक केवल भारत में ही नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर भी जाने पहचाने पर्यावरण कार्यकर्ता हैं। जलवायु परिवर्तन और हिमालयी पारिस्थितिकी पर उनके काम को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सराहा गया है। ऐसे में उनकी लंबी हिरासत को लेकर विदेशों में भी सवाल उठने लगे थे।

गैस लापता हो गई, सरकार खुद ही फैला रही अफवाह

» सपा प्रमुख अखिलेश यादव बोले- हकीकत यह है कि गैस तो जैसे गायब ही हो गई है, शादियां अटकीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के मुखिया और सांसद अखिलेश यादव ने एलपीजी संकट पर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि गैस लापता हो गई। उन्होंने कहा कि अगर कोई अफवाह फैला रहा है, तो वह सरकार है, अगर सरकार यह मान ले कि गैस की कमी है, तो जनता भी सहयोग करेगी, लेकिन सरकार का दावा है कि कहीं कोई कमी नहीं है और गैस पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि हकीकत यह है कि गैस तो जैसे गायब ही हो गई है. हर शहर नोएडा, गाजियाबाद, हापुड़, लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी में सिलेंडरों के लिए लंबी-लंबी कतारें लगी हैं. शायद ही कोई ऐसा जिला बचा हो, जहां लोग लंबी लाइनों में खड़े न हों. आखिरकार इस स्थिति के लिए जिम्मेदार कौन है. अफवाह सरकार ने फैलाई कि इतने दिन बाद बुकिंग कर सकते हैं. ऑनलाइन में बुकिंग के दौरान दिक्कत है, ऑनलाइन गैस बुक नहीं कर सकते। अखिलेश यादव ने कहा कि यह दौर सोशल मीडिया का है, संकट को आप छिपा नहीं सकते. गैस संकट की वजह से रेस्टोरेंट बंद हो रहे हैं. लोगों की शादियां रुक रही हैं. अगर दिक्कत ज्यादा बढ़ी तो लोग खाना कैसे बनाएंगे. रेहड़ी-पटरी वाले कैसे काम करेंगे, चाट वाले अब चाट भी नहीं बना पाएंगे।

फारूक अब्दुल्ला को पर्याप्त सुरक्षा मिलनी चाहिए

जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला पर हुए हमले को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि फारूक अब्दुल्ला एक वरिष्ठ नेता हैं और जैसा कि मैंने पहले भी कहा है, मैं फिर दोहराता हूं कि सरकार को उनकी उचित और पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए, वह एक महत्वपूर्ण नेता हैं जो समाज में अहम योगदान दे सकते हैं और देश को सही दिशा दिखाने में मदद कर सकते हैं. उनकी सुरक्षा के साथ किसी भी तरह का कोई समझौता नहीं होना चाहिए।

राम रसोई पर सपा सांसद अवधेश प्रसाद के बयान को प्रबंधन ने नकारा

समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद के बयान के बाद अब राम रसोई के प्रबंधन की ओर से सफाई सामने आई है. प्रबंधक का कहना है कि राम रसोई लगातार संचालित हो रही है और इसे बंद होने की बात कहना गलत और अधूरी जानकारी पर आधारित है। रामनगरी अयोध्या में अमावा राज मंदिर परिसर में महावीर मंदिर पटना ट्रस्ट की ओर से रामलला के भक्तों के लिए निशुल्क राम रसोई संचालित की जा रही है। यह व्यवस्था राम मंदिर निर्माण के साथ ही श्रद्धालुओं के भोजन के लिए शुरू की गई थी. राम रसोई का संचालन 1 दिसंबर 2019 से स्मृति शेष आईपीएस अधिकारी किशोर कुणाल की पहल पर शुरू हुआ था. यहां प्रतिदिन लगभग 10 हजार से 25 हजार तक श्रद्धालु प्रसाद रूप में भोजन ग्रहण करते हैं। इसी बीच अयोध्या से समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने राम रसोई को लेकर बयान देते हुए 15 मार्च से धरना देने की चेतावनी दी है, जिसके बाद विवाद खड़ा हो गया है. राम रसोई के प्रबंधक का कहना है कि राम रसोई कभी बंद नहीं हुई. गैस सप्लाई की वजह से संचालन के समय में थोड़ा बदलाव जरूर हुआ था, लेकिन भोजन सेवा लगातार जारी है. उनका कहना है कि सांसद अवधेश प्रसाद को बयान देने से पहले यहां आकर सही जानकारी लेनी चाहिए थी. प्रबंधक ने कहा कि अगर सांसद स्वयं यहां आकर व्यवस्था देखें, तो उन्हें वास्तविक स्थिति का पता चल जाएगा।

सीईसी ज्ञानेश कुमार को हटाने के पक्ष में सपा

देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए विपक्ष ने कमर कर ली है। ज्ञानेश कुमार को पद से हाटने संबंधी विपक्ष के प्रस्ताव पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि हम उसके पक्ष में हैं। हमारी पार्टी उसके पक्ष में है क्योंकि चुनाव आयोग सुन ही नहीं रहा।यूपी में उपचुनाव में लूट मची थी, प्रशासन के लोगों ने पूरा चुनाव लूट लिया. सब कुछ कैमरे में कैद है लेकिन सोचिए उस समय चुनाव आयोग क्या कर रहा था?

पुलिस ने ड्रेस बदलकर वोट डाले

सपा प्रमुख ने कहा कि चुनाव आयोग ने कुछ बोला ही नहीं, पुलिस ने ड्रेस बदलकर वोट डाले। हमें तो वो भी जानकारी है कि डीएम और एसपी ने भी कुछ पैसे लिए थे। हम ये बात लोकसभा में उठाएंगे कि किस तरह से एक डीएम और एसपी ने पैसे लेने के बावजूद भी चुनाव का परिणाम बदल दिया और सरकार के पक्ष में दिया।

बहुजन की आवाज और मजबूत हो रही

कांशीराम की जयंती पर राहुल गांधी के शामिल होने के सवाल पर उन्होंने कहा, हमें खुशी है कि बहुजन की आवाज और मजबूत हो रही है। इंडिया गठबंधन मिलकर काम कर रहा है. बहुत अच्छी बात है कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और अन्य दल मिलकर बहुजन की आवाज जनता तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं। जब से भारतीय जनता पार्टी आई है, संविधान की धज्जियां उड़ा रही है।

तमिलनाडु विस चुनावों की तैयारियों के लिए डीएमके ने कसी कमर

» अगले सप्ताह जिला सचिवों की बैठक लेंगे सीएम स्टालिन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। सत्ताधारी द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) ने घोषणा की कि आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों की तैयारियों के लिए पार्टी अध्यक्ष और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के नेतृत्व में अगले सप्ताह (16 मार्च) को एक महत्वपूर्ण जिला सचिवों की बैठक आयोजित की जाएगी।

डीएमके महासचिव दुरईमुरुगन के एक पत्र के अनुसार, यह बैठक सोमवार को चेन्नई के अन्ना अरिवलयम स्थित कलाइग्नार अरंगम में होगी। दुरईमुरुगन ने पत्र में कहा कि डीएमके जिला सचिवों की बैठक सोमवार, 16 मार्च, 2026 को सुबह 10:30 बजे अन्ना अरिवलयम स्थित कलाइग्नार अरंगम में पार्टी अध्यक्ष एम.के. स्टालिन की अध्यक्षता में होगी। उन्होंने सभी जिला संघ सचिवों और सांसदों से बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने का आग्रह किया। उन्होंने आगे कहा कि मैं सभी जिला संघ सचिवों और सांसदों से अनिवार्य रूप से उपस्थित होने का अनुरोध करता हूं। इस बैठक में तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए रणनीतिक योजना और संगठनात्मक तैयारियों पर ध्यान केंद्रित किए जाने की उम्मीद है, साथ ही चुनावों से पहले जिला स्तर पर पार्टी गतिविधियों को मजबूत करने पर भी चर्चा होगी। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के पहले छह महीनों में होने वाले हैं, और राजनीतिक दल अपने प्रचार अभियान को तेज कर रहे हैं और अपने-अपने गठबंधनों के भीतर सीट बंटवारे की व्यवस्था को अंतिम रूप दे रहे हैं। तमिलनाडु विधानसभा में कुल 234 निर्वाचित सीटें हैं।

इस बीच, सत्तारूढ़ डीएमके के साथ हुए समझौते के बाद, मरुमलार्ची द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (एमडीएमके) आगामी विधानसभा चुनावों में चार सीटों पर चुनाव लड़ेगी। 11 मार्च को डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन और एमडीएमके महासचिव वाइको के बीच सीट बंटवारे की व्यवस्था को लेकर चर्चा हुई। बैठक के दौरान, यह निर्णय लिया गया कि धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन का हिस्सा एमडीएमके राज्य की चार विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

कांग्रेस ने बाबा साहेब को कभी सम्मान नहीं दिया: मायावती

» राहुल गांधी पर भड़कीं बसपा प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बीजेपी सुप्रीमो मायावती ने एक बार फिर कांग्रेस और राहुल गांधी पर हमला किया है। इसबार कांशीराम की वजह से बसपा प्रमुख बिफरीं हैं। बता दें कांग्रेस पार्टी ने लखनऊ में कांशीराम जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया था। इस दौरान राहुल गांधी ने बीएसपी संस्थापक को लेकर बड़ा बयान देते हुए कहा कि अगर जवाहरलाल नेहरू जीवित होते, तो कांशीराम कांग्रेस के मुख्यमंत्री होते, इतना ही नहीं उनके लिए भारत रत्न की भी मांग उठाई गई अब मायावती राहुल के इस बयान पर हमलावर हैं।

मायावती का आरोप है कि कांग्रेस ने सालों तक सत्ता में रहने के बाद भी बाबा साहेब को कभी भी आदर-सम्मान नहीं दिया। न ही कांग्रेस ने उनको कभी भारतरत्न की उपाधि से सम्मानित किया। अब कांग्रेस कैसे कांशीराम जी को इस उपाधि से सम्मानित कर सकती है। मायावती ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए कांशीराम जी के निधन पर एक दिन का भी राष्ट्रीय शोक घोषित नहीं किया था। उस समय उत्तर प्रदेश की सपा सरकार ने भी राजकीय शोक घोषित नहीं किया था। उन्होंनेकहा कि जैसा कि सर्वविदित है कि कांग्रेस पार्टी ने काफी वर्षों तक केन्द्र की सत्ता में रहकर दलितों के मसीहा व भारतीय संविधान के मूल निर्माता परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर का कभी भी आदर-सम्मान नहीं किया और ना ही उनको भारतर की उपाधि से भी सम्मानित किया।

कांग्रेस के साथ ही दलित पार्टियां भी निशाने पर

बीएसपी सुप्रीमो ने कांग्रेस के साथ ही दलित संगठनों और अन्य दलित पार्टियों को भी निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि दूसरे दलों के हाथों में खेल कर दलित समाज के बने अनेकों संगठन और पार्टियां भी कांशीराम के नाम को भुनाने की कोशिश में हमेशा लगी रहती हैं। मायावती का ये हमला कांग्रेस के साथ ही चंद्रशेखर आजाद पर भी माना जा रहा है।

बामुलाहिजा
कार्टून: हसन जैदी

असम की 95प्रतिशत उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप दे दिया: गौरव गोगोई

असम कांग्रेस अध्यक्ष बोले- जल्द सूची तक जारी कर दी जाएगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। असम कांग्रेस ने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए 95प्रतिशत उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप दे दिया है, जिसकी घोषणा गौरव गोगोई ने सीईसी बैठक के बाद की। कांग्रेस केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक के बाद, असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने घोषणा की कि पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए अपने 95 प्रतिशत उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप दे दिया है।

उन्होंने बताया कि सूची कल तक जारी होने की उम्मीद है और पार्टी शेष सीटों को अंतिम रूप देने के लिए जल्द ही चर्चा करेगी। गोगोई ने कहा कि हमने असम की 95 प्रतिशत सीटों पर चर्चा कर ली है। सूची कल तक जारी हो सकती है। हम जल्द ही शेष सीटों पर भी चर्चा करेंगे। लोकसभा में विपक्ष के नेता

राहुल गांधी और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को आगामी असम विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक की अध्यक्षता की। एक अलग घटनाक्रम में, आगामी विधानसभा चुनावों से पहले सोमवार को असम में कांग्रेस को एक बड़ा प्रोत्साहन मिला, जब असम गण परिषद (एजीपी) के पूर्व राष्ट्रीय वित्त सचिव जयंता खाउंड कुछ अन्य नेताओं के साथ पार्टी में शामिल हो गए। खाउंड को पार्टी मुख्यालय में वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में औपचारिक रूप से कांग्रेस में शामिल किया गया।

पार्टी में स्वागत करते हुए गोगोई ने कहा कि उनके जैसे जमीनी नेता का पार्टी में शामिल होना मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व के खिलाफ असम में बढ़ती जन असंतोष को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि असम में राजनीतिक परिवर्तन की लहर चल रही है।

सियासत में छोटी सी मुलाकात और बात बन गई...

गौरव गोगोई हेमंत सोरेन से मिले

- » राहुल गांधी से रोहित पवार ने की मुलाकात
- » पीके मिले थे प्रियंका गांधी से
- » सपा प्रमुख अखिलेश यादव व शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद में मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नेताओं का एक दूसरे मिलना कोई बड़ी बात नहीं है। पर जब कोई दो बड़े नेता मिलते हैं तो बड़ी सियासी खबर बन जाती है। अब राहुल गांधी व अजित पवार के भतीजे रोहित पवार की मुलाकात पर चर्चा आरंभ हो गई है। हालांकि उन्होंने कहा कि जल्द खुलासा करेंगे।

वहीं असम चुनाव से पहले जेएमएम की राजनीतिक सक्रि यता के बीच, असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात के संकेत दिए हैं। बता दें इससे पहले पीके व प्रियंका गांधी की मुलाकात भी सुर्खियों में थी। वहीं एक मुलाकात लखनऊ में भी हुई जिसने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा वो है सपा प्रमुख अखिलेश यादव व शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद की। कहने का मतलब है कि सियासत में छोटी सी मुलाकात बात बन गई।

झारखंड कांग्रेस से समर्थन मांगने रांची पहुंचे गोगोई

गोगोई आगामी चुनावों के लिए झारखंड कांग्रेस से समर्थन मांगने रांची पहुंचे हैं, जहां बंधु तिर्की को पहले ही असम के लिए वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया जा चुका है। असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने गुरुवार को कहा कि वे झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शिष्टाचार भेंट करने का प्रयास करेंगे, क्योंकि जेएमएम विधानसभा चुनावों से पहले असम की चुनावी राजनीति में प्रवेश करने की कोशिश कर रही है। रांची में पत्रकारों से बात करते हुए गोगोई ने कहा कि झारखंड के मुख्यमंत्री असम का दौरा कर चुके हैं, और हम उनसे शिष्टाचार भेंट करने का प्रयास करेंगे। इन बातों का खुलासा मीडिया में नहीं किया जाना चाहिए। हम अपने विचार आधिकारिक बैठक में रखेंगे। गौरव गोगोई जोहराट निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले हैं। इससे पहले बुधवार को, कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे पर चर्चा चल रही है। गुवाहाटी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, खेड़ा ने कहा कि जमीनी सर्वेक्षण और जनमत को ध्यान में रखते हुए सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे पर चर्चा जारी है। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा पर हमला करते हुए, कांग्रेस नेता ने कहा कि हमारा आत्मविश्वास दिखावे से नहीं आता। हमारा आत्मविश्वास जमीनी हालात से आता है। आप 9000 रुपये रखें या 90,000 रुपये, लोग इस भ्रष्ट व्यक्ति से छुटकारा पाना चाहते हैं।

अजित पवार के भतीजे रोहित का दावा

करूंगा बड़ा खुलासा

महाराष्ट्र सरकार में उपमुख्यमंत्री और नेश्नलिस्ट कांग्रेस पार्टी के नेता रहे दिवंगत अजित पवार के प्लेन हादसे के मामले में विधायक रोहित पवार ने भारतीय कांग्रेस के नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की। राहुल से मुलाकात के बाद नेश्नलिस्ट कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के नेता और विधायक रोहित ने कहा कि मैं दो दिन बाद बड़ा खुलासा करूंगा। पवार का कहना है कि राहुल गांधी ने उन्हें एक अहम सुझाव दिया है, जिसका खुलासा वह दो दिन बाद करेंगे। रोहित पवार के मुताबिक राहुल गांधी ने यह भी कहा है कि वह किसी भी जांच में पूरा सहयोग करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने बताया कि राहुल गांधी ने बतौर पायलट कई अहम बातें भी साझा की हैं। रोहित पवार ने सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर अब तक FIR दर्ज क्यों नहीं की जा रही है और कौन किसे बचाने की कोशिश कर रहा है।

प्रियंका गांधी और प्रशांत किशोर की हुई गुप्त मुलाकात

क्या कांग्रेस के साथ जन सुराज मर्ज होने वाली है? प्रशांत किशोर ने गोपालगंज में इस सवाल का सामना किया। बिहार की राजनीति में गठबंधन के बिना सत्ता की राह मुश्किल मानी जाती है। हालिया विधानसभा चुनावों में जन सुराज को मिली शून्य सीटों के बाद यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या प्रशांत किशोर अब किसी बड़े दल का साथ तलाश रहे हैं? दरअसल, प्रशांत किशोर और उनसे जब पूछा गया कि दिल्ली में आपकी प्रियंका गांधी से भी मुलाकात हुई

तो क्या जन सुराज का कांग्रेस में मर्जर हो रहा है? इस पर प्रशांत किशोर ने कहा कि देखिए सोशल मीडिया पर तो कुछ भी चलता है। कुछ भी दावे होते हैं। हालांकि, प्रियंका गांधी से मुलाकात की बात से प्रशांत किशोर ने इंकार नहीं किया और कहा कि मुलाकात तो होती रहती है। प्रशांत किशोर और प्रियंका गांधी की मुलाकात से जिस बात की चर्चा तेज हुई थी, जिस बात के कयास लगाए जा रहे थे कि क्या जन सुराज और कांग्रेस पार्टी का आने वाले समय में क्या गठबंधन हो सकता है? बिहार की राजनीति में कहा ये जा रहा है कि बिना गठबंधन प्रशांत किशोर आगे नहीं बढ़ सकते या किसी भी पार्टी के लिए गठबंधन की राजनीति सबसे मुफीद होती है। प्रशांत किशोर ने साल 2025 का जो चुनाव लड़ा इसमें एक भी सीट पर उनको सफलता नहीं मिली। ऐसे में क्या गठबंधन की राजनीति से प्रशांत किशोर अपने जन सुराज को आगे बढ़ाएंगे? गठबंधन करने के लिए क्या कांग्रेस पार्टी प्रशांत किशोर के लिए बेहतर विकल्प हो सकती है? क्या कांग्रेस पार्टी और प्रशांत किशोर के बीच गठबंधन होगा तो आरजेडी को ये सच स्वीकार होगा?

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद से मिले सपा मुखिया

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लखनऊ में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद से मुलाकात की। मुलाकात के बाद उन्होंने कहा कि हम यहां पर आशीर्वाद लेने के लिए आए थे क्योंकि असली संतों से मिलने से नकली संतों का अंत होने जा रहा है। इस मौके पर उन्होंने भाजपा पर हमलावर होते हुए कहा कि भाजपा के लोग हर अच्छी बात का विरोध करते हैं। जब हमारी सरकार थी तो हमने डेयरी बनवाई थी जिससे गरीबों का लाभ हो और गायों की भी देखभाल हो लेकिन भाजपा के लोग हर अच्छी बात का विरोध करते हैं। सपा की सरकार में पहला काऊ मिल्क प्लांट लगाया गया था जिसे भाजपा की सरकार ने बंद करवा दिया। उन्होंने कहा कि हम पहले भी गाय की भलाई के लिए काम कर रहे थे आगे भी फैसले करेंगे।

देश में तमाम मुद्दे पर बतौर नेता प्रतिपक्ष पूरी मेहनत से लड़ रहे : रोहित पवार

दौरान पवार ने कहा कि मेरी राहुल गांधी से करीब 30 मिनट की मुलाकात हुई है। मैं उनका आभार व्यक्त किया है आज देश में तमाम मुद्दे हैं और बतौर नेता प्रतिपक्ष वह उनसे भी लड़ रहे हैं। बकौल पवार, राहुल इस बात को लेकर अचरज में दिखे कि इतने बड़े नेता का एक्सीडेंट होने के बाद भी एफआईआर नहीं हो रही है। पवार ने बताया कि मुझे पूरा विश्वास है कि वह हर स्थिति में

हमारी मदद करेंगे. मुझे एलओपी ने कुछ अहम सुझाव दिए हैं, उनके बारे में मैं दो दिन बाद खुलासा करूंगा। राहुल गांधी के सुझावों के संदर्भ में जुड़े सवाल पर रोहित ने कहा कि मैं सही जगह और सही समय पर खुलासा करूंगा। यह पूछे जाने पर कि क्या राहुल गांधी को भी शक है कि अजित पवार का प्लेन हादसा एक साजिश है? पवार ने कहा कि साजिश है या नहीं है, यह तो जांच का विषय है लेकिन हमारी चिंता है कि आखिर एक एफआईआर क्यों नहीं हो रही है। जांच क्यों नहीं हो रही और महाराष्ट्र की जनता के सामने सच सामने क्यों नहीं आने दिया जा रहा है?

गोगोई ने जेएमएम प्रमुख सोरेन से चर्चा की

यह जेएमएम प्रमुख हेमंत सोरेन के असम दौरे के बाद आया है, जहां उन्होंने आदिवासी एकता का आह्वान किया और इफ्तार समारोह में भी भाग लिया। झारखंड दौरे के बारे में पूछे जाने पर गौरव गोगोई ने कहा कि असम कांग्रेस आगामी असम चुनावों के लिए राज्य के पार्टी नेताओं से समर्थन मांग रही है। गोगोई ने पत्रकारों से कहा कि असम चुनावों से पहले, एआईसीसी ने बंधु तिर्की को वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। बंधु तिर्की ने असम के सभी जिलों का दौरा किया है और वहां के लोगों की समस्याओं को समझते हैं। हम आज असम प्रदेश कांग्रेस की ओर से झारखंड कांग्रेस के साथ इस बात पर चर्चा करने आए हैं कि उनके वरिष्ठ नेता आगामी असम चुनावों में कांग्रेस को और मजबूत कैसे कर सकते हैं और असम के समाज को एक नई दिशा कैसे दे सकते हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

हंगामें की भेंट न चढ़े संसद सत्र

"

इस बार भी सदन के बाहर की सियासी स्थिति तनाव भरी है। 12 राज्यों में हो रहे एसआईआर को लेकर विपक्ष की आपत्तियों की लिस्ट लंबी है। वह लगातार इस प्रक्रिया के औचित्य और पारदर्शिता पर सवाल उठा रहा है। इसे लेकर दोनों सदनों में भी भिड़ंत देखने को मिल सकती है, लेकिन यह दोनों पक्षों को समझना होगा कि हंगामेबाजी से किसी सवाल के जवाब नहीं मिलेंगे।

संसद का बजट सत्र के दूसरे शुरू चरण को आरंभ हुए दिन दिन हो गए। पर अब तक कोई सार्थक बहस नहीं हो पाई। पश्चिम एशिया संकट, लोस अध्यक्ष के अविश्वास पर चर्चा पर पूरा सदन हंगामें की चपेट में रहा। इस बीच गैस सिलेंडर के मुद्दे पर भी बहस जारी है। इससे पहले के सत्रों में एसआईआर जैसे मुद्दे को लेकर विपक्ष व सता पक्ष में टकराव होता रहा है। उम्मीद की जानी चाहिए कि उस दिन सार्थक सत्र रेहगा। पर अभी जिस तरह से संसद के दोनों सदनों में देखने को मिल रहा उससे तो ऐसा लग रहा है कि दोनों ही पक्ष गैर जिम्मेदाराना परिचय दे रहे हैं। सदन को चलाने की जिम्मेदारी सरकार की होती है, विपक्ष का काम ही है सरकार को घेरना और सवाल उठाना। लेकिन, दोनों को सदन की मर्यादा और कार्यवाही की अहमियत को ध्यान में रखना होगा। अगर देश के जनप्रतिनिधि पिछले सत्र से सबक लेकर आगे बढ़ते हैं, तो इससे अच्छा कुछ नहीं होगा। यह तो साफ हो गया है और विपक्ष ने अपने मुद्दे साफ कर दिए हैं।

मॉनसून सेशन अगर ऑपरेशन सिंदूर के नाम था, तो इस बार बहस के केंद्र में एसआईआर है लेकिन, सरकार और विपक्ष - दोनों से ही सदन के भीतर ज्यादा समझदारी, संयम और सहयोग की अपेक्षा है, ताकि सत्र में अधिक काम हो सके। शीत सत्र एक से 19 दिसंबर तक चलना है। इसमें कुल 15 दिन कार्यवाही चलेगी और इस दौरान शिक्षा, सड़क और कॉरपोरेट लॉ संबंधी कई अहम बिल पेश किए जाएंगे। इसी सत्र में हेल्थ सिक्यॉरिटी एंड नैशनल सिक्यॉरिटी सेस बिल, 2025 भी रखा जा सकता है, जिसका मकसद देश के हेल्थ ढांचे और सुरक्षा तैयारियों के लिए एक नया उपकर लगाना है। इसके साथ विपक्ष की भी अपनी मांगें हैं, जिसे सर्वदलीय बैठक में रखा गया। विपक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा, एसआईआर वायु प्रदूषण और विदेश नीति पर विस्तृत चर्चा चाहता है। अच्छी बात है कि विपक्षी दलों ने इस बारे में पहले ही अवगत करा दिया है और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के ही मुताबिक, किसी ने भी यह नहीं कहा कि संसद नहीं चलने दी जाएगी। सरकार और विपक्ष, दोनों का इस पर सहमत होना कि सदन चलना चाहिए, स्वागत योग्य है। लेकिन, कमोबेश इसी तरह की सहमति हर बार सेशन शुरू होने से पहले सर्वदलीय बैठकों में दिखती है और कार्यवाही शुरू होने के बाद राजनीति हावी हो जाती है। बीता हुआ मॉनसून सत्र इसका उदाहरण है, जब लोकसभा की प्रॉडक्टिविटी महज 31 प्रतिशत के आसपास और राज्यसभा की लगभग प्रतिशत रही।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

युद्ध में सच्चाई और नैरेटिव के बीच की धुंधली रेखा

श्याम भाटिया

ईरान और इस्राइल के बीच आरंभिक झड़पों के कुछ ही घंटों में, नाटकीय वीडियो ऑनलाइन चलने लगीं, जिनमें दावा किया गया कि लड़ाकू जहाज मार गिराए और शहर मलबे में तब्दील हो गए। जल्द ही कई वीडियो मनगढ़ंत निकले। कुछ क्लिप तो वीडियो गेम्स फुटेज निकलीं। कुछ शायद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बनायी लगती हैं- ऐसी सामग्री जिसके पत्रकारों द्वारा सत्यापन से पूर्व ही दुनिया यकीन कर ले। ऐसे ही एक उदाहरण में, बहुत ज्यादा शेयर किए क्लिप में दावा किया गया कि एक अमेरिकी युद्धपोत ने ईरानी लड़ाकू जहाज मार गिराया है, बाद में शिनाख्त हुई कि यह तो वीडियो गेम 'वॉर थंडर' का फुटेज है। इस वीडियो को ऑनलाइन लाखों व्यूज मिले व 'फैक्ट-चेकर्स द्वारा गेम फुटेज साबित करने के बाद और इसे डिलीट करने से पूर्व ग्रेग एबॉट तक ने शेयर किया। समीक्षकों ने पाया कि फुटेज में दिखे हथियार दूसरे विश्वयुद्ध के वक्त के थे, जिससे यह क्लिप मनगढ़ंत निकली।

एक और मामले में, एक वायरल वीडियो में ईरानी मिसाइल हमलों से तेल अवीव तबाह होता दिखा, बाद में विश्लेषकों ने इसकी शिनाख्त बतौर एआई निर्मित रील की। जब तक इस हेरफेर का खुलासा हुआ, तब तक क्लिप को लाखों लोग देख चुके थे। ऐसी सामग्री सोशल मीडिया पर तेजी से फैलती है। अक्सर असलियत सामने आने से पूर्व ही बहुत ज्यादा लोगों तक पहुंच जाती है। यह घटनाक्रम वर्तमान दौर की युद्ध कवरेज में एक बड़ी समस्या पेश करता है। युद्ध के मैदान के शुरुआती दावे अक्सर सबसे कम भरोसेमंद होते हैं, तथापि डिजिटल युग में पत्रकारों द्वारा सत्यापित करने से पूर्व ही दुनिया में फैल जाते हैं। लंदन के टॉक रेडियो स्टेशन एलबीसी पर ईरान युद्ध पर चर्चा सुनते हुए, मैंने हाल ही में एक प्रस्तोता को यह अनुमान लगाते सुना कि ईरान के रेवोल्यूशनरी गार्ड्स किसी प्रदर्शनकारी को मारने वाले को पुरस्कृत कर रहे हैं। कोई सबूत नहीं दिया गया, फिर भी यह बात खबर देने के अंदाज़ में कही गई।

एक सदी से भी पूर्व, अमेरिकी सीनेटर हाइरम जॉनसन ने कहा था 'जब युद्ध होता है, तो सबसे पहली मौत सच की होती है'। वैसे ये कहावत पुरानी है, फिर भी मौजूदा संघर्ष संबंधी दावों की बाढ़ बताती है कि यह पूर्ववत प्रासंगिक है। हालांकि, सवाल है कि आज के दौर में अन्य युद्धों की तुलना में ईरान-इस्राइल संघर्ष की खबरें इतनी अलग-अलग सी क्यों हैं। यूक्रेन पर रूसी हमले के दौरान, पश्चिमी टीवी नेटवर्क और अखबारों ने अग्रिम मोर्चे पर पत्रकारों की टीमें तैनात की थीं। कीव, खार्किव और यहां तक युद्ध के मैदान से निरंतर रिपोर्टिंग ने पत्रकारों को सरकार द्वारा किए जा रहे दावों की असलियत परखने का मौका दिया। लेकिन, ईरान से जुड़ा संघर्ष बहुत अलग दिखता है। जहां ईरान में चंद पश्चिमी रिपोर्टर काम कर रहे हैं वहीं इस्राइली सैन्य सेंसरशिप युद्ध-विवरण की रिपोर्टिंग पर अंकुश लगा रही है। नतीजन, मिसाइल हमलों, हताहतों और सैन्य हानि बारे जो जानकारी ज्यादातर फैल रही है, वह रिपोर्टरों से नहीं, बल्कि सरकारों, सेना प्रवक्ताओं और सोशल-मीडिया पोस्टों के जरिए आती है। मध्य-पूर्व में भी, अल जज़ीरा जैसे क्षेत्रीय चैनल कई पश्चिमी समकक्षों के मुकाबले अब ज्यादा टिकाऊ कवरेज कर रहे हैं, विदेशी मीडिया के लोकल ब्यूरो पिछले दो दशकों में इस पूरे इलाके में लगातार सिकुड़े। नतीजन, यह ऐसा युद्ध है जिस पर चर्चा तो खूब हो रही, लेकिन हैरानी है कि खबरें देने वाली स्वतंत्र पत्रकारिता बहुत कम है। मिसाइल हमलों और हवाई हमले की चेतावनियों की रिपोर्टिंग पर गौर करें। ईरान-इस्राइल के बीच हालिया हमलों के दौरान, ऐसी खबरें चलीं जिनमें बताया गया कि यरुशलम में हवाई हमला चेतावनी सायरन बार-बार बज रहे हैं। अगर यह सच है, तो यह इस्राइल की हवाई-रक्षा प्रणाली में मिसाइलों की होती निरंतर घुसपैठ और शहर में बमबारी का स्तर दिखाता है, जो पहले शायद ही कभी देखा गया।

फिर भी, वहां मौजूद रिपोर्टरों से लगातार सत्यापन मुश्किल बन गया है। मध्य इस्राइल में कुछ मिसाइल चेतावनियों की खबरें हैं। लेकिन यरुशलम में बार-बार अलर्ट सायरन बजने की खबर इलाके में मौजूद रिपोर्टरों से बहुत कम आई।

हताहतों के आंकड़े भी ऐसी ही समस्या दिखाते हैं। ईरानी अधिकारियों ने बताया कि इस्राइली हमलों में आम लोगों को भारी नुकसान हुआ। वहीं इस्राइली अधिकारी वरिष्ठ ईरानी कमांडरों के मारे जाने और मिलिट्री ठिकानों को नुकसान पर जोर देते हैं। हालांकि, स्वतंत्र सत्यापन बहुत कम है। ईरान ने युद्ध दौरान समय-समय पर इंटरनेट पर रोक लगाई, जबकि इस्राइली सरकार ने कुछ ऑपरेशंस के ब्यौरे पर सैन्य सेंसरशिप रखी। नतीजन, सुर्खियों में संख्या का स्रोत युद्धरत सरकारों का आंकड़ा ही है। इतिहास सावधानी बरतने की सलाह देता है।

उत्तराखंड की राजधानी का अनसुलझा विवाद

जयसिंह रावत

चमोली जिले में स्थित भराड़ीसैंण (गैरसैंण) में जब भी दो-तीन दिनों के लिए उत्तराखंड विधानसभा का सत्र आयोजित होता है तो सीमांत हिमालयी प्रदेश उत्तराखंड की स्थाई राजधानी का मुद्दा फिर गर्मा जाता है। नवम्बर, 2000 से लेकर अब तक राज्य गठन के 25 साल हो चुके हैं, लेकिन राज्य की राजधानी का मुद्दा अब तक नहीं सुलझा है। भाजपा की सरकार ने राजधानी के विवाद को सुलझाने के लिए भराड़ीसैंण को ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित तो कर दिया, लेकिन विपक्षी राजनीतिक दल तो दूर, यह घोषणा राज्य की राजधानी की मांग को लेकर एक अभूतपूर्व आंदोलन चलाने वाले लोगों के गले भी नहीं उतरी। किसी एक स्थान पर महज कुछ दिनों के लिए विधानसभा सत्र आयोजित करने से वह स्थान राजधानी नहीं बन जाता! अगर लोग भराड़ीसैंण को ग्रीष्मकालीन राजधानी मान भी लें, तो शीतकालीन या स्थाई राजधानी का सवाल अभी भी अनुत्तरित है।

जिस भराड़ीसैंण को ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित किया गया है, वहां पिछले छह वर्षों में केवल एक बार ग्रीष्मकालीन सत्र हुआ, और वह भी बहुत संक्षिप्त। उत्तराखंड अकेला राज्य है, जिसकी राजधानी आज तक तय नहीं हो पाई। इसके लिए उत्तराखंड का अपना राजनीतिक तंत्र जिम्मेदार रहा है, जो राज्य गठन से लेकर अब तक राजधानी को लेकर एक राय नहीं बना सका। जब संसद में उत्तर प्रदेश पुनर्गठन विधेयक पास हो गया था, तो उसी समय से राजधानी की तलाश शुरू हो गई थी। उस समय जब विधायकों और सांसदों के बीच राजधानी को लेकर गढ़वाल और कुमाऊं के बीच रस्साकशी होने लगी, तो तत्कालीन वाजपेयी सरकार ने यह मुद्दा उत्तराखंड के लोगों पर छोड़ दिया और तात्कालिक ढांचागत सुविधाओं को देखते हुए देहरादून को अस्थायी राजधानी घोषित किया। साथ ही कुमाऊं के लोगों को संतुष्ट करने के लिए नैनीताल को हाईकोर्ट दे दिया।

आज ये दोनों शहर अपनी सीमित धारण क्षमता के कारण राजधानी और हाईकोर्ट के बोझ तले दबे हुए हैं। दोनों ही भूगर्भीय दृष्टि से अति संवेदनशील हैं। नैनीताल की विकट स्थिति को देखते हुए स्वयं हाईकोर्ट को अपने लिए कोई नई जगह तलाशने के आदेश देने पड़े। केंद्र सरकार ने राजधानी के चयन की जिम्मेदारी उत्तराखंड (उत्तरांचल) सरकार पर छोड़ दी थी, इसलिए पहली नित्यानंद स्वामी सरकार ने इसके लिए दीक्षित आयोग का गठन कर दिया, जिसे छह माह के अंदर अपनी सिफारिशें देनी थीं। लेकिन आयोग उत्तराखंड की राजनीति से अपरिचित नहीं था, इसलिए उसने मामला आठ साल तक लटकाए रखा। फिर भी दीक्षित आयोग कायम रहा। 11 जनवरी, 2001 को गठित इस आयोग ने भारी जन दबाव के बाद 17 अगस्त, 2008 को अपनी रिपोर्ट दाखिल की, जो दिसंबर, 2008 में विधानसभा में रखी गई। दीक्षित आयोग की यह रिपोर्ट भी उत्तराखंड की क्षेत्रीय राजनीति की पोल खोलने के लिए काफी है। आयोग के समक्ष 70 विधायकों में से केवल एक और पांच सांसदों में से भी एक ने अपनी राय दी।

सर्वेक्षणों में जनता का बहुमत गैरसैंण के पक्ष में था, लेकिन आयोग के सामने लिखित राय देने वाले केवल 4-5 लोग ही इसके पक्ष में खड़े दिखे। आयोग में राय देने वाले अधिकांश लोगों ने अपने क्षेत्रीय हितों को प्राथमिकता दी। गढ़वाल के लोगों ने ऋषिकेश या देहरादून और कुमाऊं के लोगों ने रामनगर या काशीपुर को वरीयता दी। ऐसी स्थिति में आयोग ने देहरादून के रायपुर क्षेत्र को ही अपनी वरीयता दे दी। भराड़ीसैंण में आयोजित बजट सत्र के दौरान 4 मार्च, 2020 को ग्रीष्मकालीन राजधानी की घोषणा हो गई। इस घोषणा की पुष्टि के लिए 8 जून, 2020 को आधिकारिक अधिसूचना भी जारी कर दी गई। भराड़ीसैंण के 'ग्रीष्मकालीन राजधानी' बनने के बाद पिछले छह वर्षों में केवल जून, 2022 में ही वहां वास्तविक ग्रीष्मकालीन सत्र हुआ। एक-दो सत्र शीतकाल में भी हुए, लेकिन वे आधे-अधूरे ही थे! एक सप्ताह तक विधानसभा चलाना राजधानी चलाना नहीं होता। संक्षिप्त सत्र पर ही करोड़ों रुपये खर्च हो जाते हैं और जनता से लेकर कर्मचारियों तक को होने वाली असुविधा अलग होती है। आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, उत्तराखंड में 25 वर्षों के दौरान 80 हजार करोड़ का कर्ज चढ़ चुका है। यह केवल एक प्रशासनिक मुद्दा नहीं, बल्कि देश के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे लंबा 'राजनीतिक छलावा' है।

अगर भराड़ीसैंण को ग्रीष्मकालीन राजधानी मान लिया, तो शीतकालीन राजधानी कहां है? इसका उत्तर भी गुम हो जाता है, क्योंकि कांग्रेस और उत्तराखंड क्रांति दल जैसे दल भराड़ीसैंण को राजधानी बनाने की घोषणा कर चुके हैं। हालांकि, कांग्रेस दो बार सत्ता में रह चुकी है और उत्तराखंड क्रांति दल भी सरकारों में शामिल रहा है। ऐसी स्थिति में देहरादून को स्थायी या शीतकालीन राजधानी घोषित करना राजनीतिक दृष्टि से जोखिम से खाली नहीं है। राजधानी केवल ईंट-पत्थर की इमारतों या विधानसभा की सीढ़ियों का नाम नहीं होती; यह राज्य के 'विजन' और उसकी 'आत्मा' का प्रतिबिंब होती है। 25 साल बाद भी यदि उत्तराखंड की सरकारें 'ग्रीष्मकालीन' और 'शीतकालीन' के जुमलों में उलझी हैं तो यह उन शहीदों के बलिदान का अपमान है जिन्होंने एक समृद्ध और स्वाभिमानी पहाड़ के लिए अपना रक्त दिया था। यदि भराड़ीसैंण को राजधानी बनाना है तो वहां केवल सत्र नहीं, बल्कि 'शासन' होना चाहिए। यदि देहरादून ही स्थायी ठिकाना है तो फिर 'अस्थाई' का ढोंग बंद कर पहाड़ों के विकास के लिए कोई वैकल्पिक मॉडल पेश किया जाना चाहिए।

शारीरिक और मानसिक नुकसान

एक्स्ट्रा स्क्रीन टाइम, दूसरी शारीरिक गतिविधियों जैसे बाहर खेल-कूद, दोस्तों से मिलते-जुलने की कीमत पर भी आता है। जब स्कूल, फिजिकल एक्टिविटी या नींद जैसी दूसरी चीजों में कमी आती तो इसका असर शारीरिक और मानसिक दोनों तरह की सेहत पर पड़ता है। पहले और बाद के बच्चों के बीच स्क्रीन टाइम का बढ़ते अंतर का एक आम कारण माता-पिता का समय भी है। जैसे-जैसे परिवार बढ़ते हैं, माता-पिता के पास बाद के बच्चों के विकास पर ध्यान देने के लिए कम समय होता है। स्क्रीन टाइम में जो अंतर हमें मिला है, वे किसी भी दिन के लिए कम लग सकते हैं लेकिन दीर्घकालिक रूप से ये बहुत बड़े नुकसान का कारण हैं। बाद में पैदा हुए बच्चों का स्क्रीन टाइम बढ़ना उन्हें ऑनलाइन गलत कंटेंट के संपर्क में ला सकता है, जिससे उनके बौद्धिक विकास में भी फर्क देखने को मिल सकता है।

बौद्धिक विकास में रूकावट

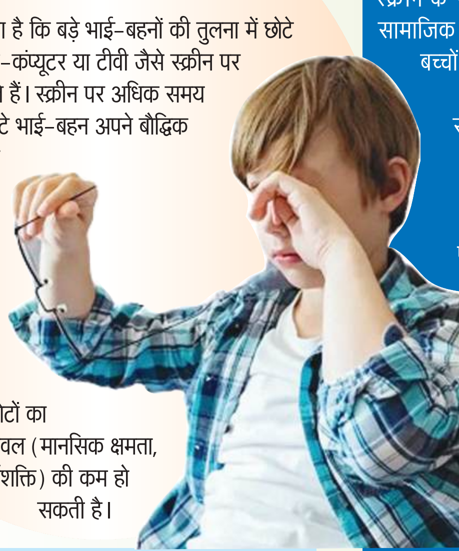

अक्सर देखा गया है कि बड़े भाई-बहनों की तुलना में छोटे भाई-बहन मोबाइल-कंप्यूटर या टीवी जैसे स्क्रीन पर अधिक समय बिताते हैं। स्क्रीन पर अधिक समय बिताने के कारण छोटे भाई-बहन अपने बौद्धिक विकास को बेहतर बनाने वाली गतिविधियों के लिए भी कम समय निकाल पाते हैं जिसका असर उनकी क्वालिटी ऑफ लाइफ पर भी पड़ सकता है। बड़े भाई-बहनों की तुलना में छोटों का आईक्यू लेवल (मानसिक क्षमता, तर्कशक्ति) की कम हो सकती है।

आंखों में जलन जैसी समस्याएं

अध्ययनों में पाया गया है कि लंबे समय तक स्क्रीन के सामने रहने से शारीरिक, मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर होता है। बच्चों में इसका खतरा कहीं ज्यादा है। स्क्रीन टाइम बढ़ने से डिजिटल आई स्ट्रेन की समस्या भी बढ़ जाती है। इससे आंखों में जलन, धुंधला दिखने, सिरदर्द और ड्राई आई जैसी दिक्कतें हो सकती है। स्क्रीन टाइम बढ़ने का सीधा असर नींद पर भी पड़ता है जिससे अनिद्रा का खतरा बढ़ता है। नींद पूरी न होने से मोटापा, डायबिटीज, तनाव और दिल की बीमारियों का जोखिम बढ़ सकता है। ज्यादा स्क्रीन देखने से बच्चों में ध्यान केंद्रित करने की क्षमता घटती है, चिड़चिड़ापन बढ़ता है और भाषा व सामाजिक विकास प्रभावित हो सकता है। इसलिए 5 साल से कम उम्र के बच्चों को मोबाइल-कंप्यूटर या किसी भी प्रकार के स्क्रीन के अधिक संपर्क से बचाना चाहिए।

स्क्रीन टाइम की आदत बच्चों के लिए है स्लो-पॉइजन

बच्चों में बढ़ते स्क्रीन टाइम को लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने अलर्ट किया है। इसमें पाया गया है कि छोटे भाई-बहन अपने बड़े भाई-बहनों की तुलना में स्क्रीन पर ज्यादा समय बिताते हैं। इससे उनमें दिमागी विकास सहित कई प्रकार की क्रॉनिक बीमारियों का खतरा अधिक हो सकता है। लाइफस्टाइल की गड़बड़ी ने हमारी सेहत को इतना नुकसान पहुंचाया है कि जो बीमारियां पहले सिर्फ उम्र बढ़ने पर हुआ करती थीं, वह अब युवाओं और बच्चों को भी अपना शिकार बना रही हैं। कम उम्र में ही ब्लड प्रेशर, मोटापा, स्ट्रेस और हार्मोनल असंतुलन की समस्याएं बढ़ती जा रही हैं, जिसको लेकर दुनियाभर के स्वास्थ्य विशेषज्ञ काफी चिंतित हैं। लोग अब शारीरिक मेहनत कम करते हैं, लाइफस्टाइल सेंडेंटरी हो गई है मतलब दिन का अधिकतर समय बैठे-बैठे ये फिर आराम करते हुए बीत रहा है जो असल में कई जानलेवा बीमारियों की मुख्य वजह है। मोबाइल-कंप्यूटर के बढ़ते इस्तेमाल को इसके पीछे का सबसे बड़ा कारण माना जा रहा है। मोबाइल-कंप्यूटर जैसे स्क्रीन पर बीतने वाले समय यानी बढ़ते स्क्रीन टाइम को पहले से अध्ययनों में सेहत का दुश्मन और स्लो-पॉइजन बताया जाता रहा है। बच्चों का स्क्रीन टाइम और भी ज्यादा देखा जा रहा है जिसकी वजह से कम उम्र में ही क्रॉनिक बीमारियों का खतरा भी बढ़ता जा रहा है।

हंसना मना है

डॉक्टर ने आदमी से पुछा, क्या आप का और आपकी बीवी का खून एक ही है? आदमी ने कहा, क्यों नही? ज़रूर होगा! पचास साल से मेरा ही खून जो पी रही है।

पति- अल्लाह ने तुम्हें 2 आंखे दी हैं, चावल से पत्थर नहीं निकाल सकती? पत्नी- अल्लाह ने तुम्हें 32 दांत दिए है, 2-4 पत्थर नहीं चबा सकते?

अर्ज है- रोज-रोज वजन नापकर क्या करना है, एक दिन तो सबको मरना है, चार दिन की है जिंदगी, खा लो जी भर के, अगला जन्म फिर 3 किलो से शुरू करना है!

थप्पड़ मारने पर नाराज वाईफ से हसबंड बोला-आदमी उसी को मारता है जिससे वो प्यार करता है। वाईफ ने हसबंड को 2 थप्पड मारे और बोली आप क्या समझते हैं मैं आपसे प्यार नहीं करती।

वाईफ- प्लीज बाइक तेज ना चलाओ, मुझे डर लग रहा है। सरदार- अगर तुझे भी डर लग रहा है, तो मेरी तरह आंखें बंद कर ले।

पत्नी- डॉक्टर साहब..मेरे पति को रात में बडबड़ाने की आदत है, कोई उपाय बतायें? डॉक्टर-आप उन्हें दिन में बोलने का मौका दिया करें..

कहानी | कबूतर का घोंसला

एक बार गौतम बुद्ध शाम के समय कुटिया के बाहर शिष्यों के साथ बैठे थे। तभी वहां एक कबूतर का जोड़ा उड़ता हुआ आ गया। उन्हें देख कर महात्मा बुद्ध को एक कहानी याद आई और उन्होंने शिष्यों को कहानी सुनना शुरू किया। एक पेड़ पर एक कबूतर और कबूतरी रहते थे। कुछ समय बाद कबूतरी ने उसी पेड़ की टहनी पर तीन अंडे दिए। एक दिन कबूतर और कबूतरी दोपहर के समय खाना ढूंढते हुए कुछ दूर निकल गये। तभी कहीं से एक लोमड़ी आ गयी। वह भी भोजन की तलाश में पेड़ पर चढ़ी। जहां उसे कबूतर के अंडे मिल गये और वो अंडों को खा गयी। जब कबूतर का जोड़ा वापस आया तो अंडे न पा कर बहुत परेशान हो गया। दोनों को बहुत बुरा लग रहा था। उनका मन टूट सा गया। तभी कबूतर ने निश्चय किया कि अब वह घोंसला बनाएगा। ताकि फिर कभी उसके अंडे कोई न खा जाए। कबूतर ने अपने निर्णय अनुसार तिनके इकट्ठे करके घोंसला बनाना शुरू किया। पर उसे एहसास हुआ कि उसे तो घोंसला बनाना आता ही नहीं है। तब उसने मदद के लिए जंगल के दूसरे पक्षियों को बुलाया। सभी पक्षी उसकी मदद के लिए आ गये और उन्होंने कबूतर के लिए घोंसला बनाना शुरू किया। पक्षियों ने अभी कबूतर को सिखाना शुरू ही किया था कि कबूतर ने बोला कि अब वो घोंसला बना लेगा। उसने सब सीख लिया है। सभी पक्षी यह सुन कर वापस चले गए। अब कबूतर ने घोंसला बनाना शुरू किया। उसने एक तिनका इधर रखा एक तिनका उधर। उसे समझ आया कि वह अभी भी कुछ नहीं सीखा है। उसने फिर से पक्षियों को बुलाया। पक्षियों ने आ कर फिर घोंसला बनाना शुरू किया। अभी आधा घोंसला बना ही था कि कबूतर जोर से चिल्लाया, तुम सब छोड़ दो अब मैं समझ गया हूं यह कैसे बनेगा। इस बार पक्षियों को बहुत गुस्सा आया। सारे पक्षी तिनके वहीं छोड़ कर चले गये। कबूतर ने फिर कोशिश की पर उससे घोंसला नहीं बना। कबूतर ने तीसरी बार पक्षियों को बुलाया, लेकिन इस बार एक भी पक्षी मदद के लिए नहीं आया और आज तक कबूतर को घोंसला बनाना नहीं आया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष व्यवसाय-व्यापार मनोनुकूल चलेगा। आय बनी रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा, सावधानी रखें। बुरी खबर मिल सकती है। भागदौड़ अधिक रहेगी।

वृषभ सामाजिक कार्य करने का मन लगेगा। मान-सम्मान मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मिथुन पुरानी संगी-साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। आत्मसम्मान बना रहेगा।

कर्क बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा।

सिंह दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है। फालतू खर्च पर नियंत्रण नहीं रहेगा। हल्की मजाक करने से बचें। अपेक्षित काम में विलंब होगा। बेकार की बातों पर ध्यान न दें।

कन्या यात्रा लाभदायक रहेगी। संतान पक्ष से बुरी खबर मिल सकती है। डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी।

तुला सामाजिक कार्य करने में मन लगेगा। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक चोट व रोग से कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। सत्संग का लाभ मिलेगा। उत्साह रहेगा।

धनु चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। किसी व्यक्ति विशेष से कहासुनी हो सकती है।

मकर यात्रा लाभदायक रहेगी। राजकीय सहयोग मिलेगा। सरकारी कामों में सहूलियत होगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर में सुख-शांति रहेंगे। झंझटों में न पड़ें।

कुम्भ ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं।

मीन पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। आनंद के साथ समय व्यतीत होगा। मनपसंद व्यंजनों का लाभ मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा।

बॉलीवुड | गपशप

तान्या मित्तल को गुंडों से बचाने अर्थी से उठकर पहुंचे छोटा डॉन राजपाल यादव

राजपाल यादव इन दिनों सुर्खियों में हैं। बीते महीने फरवरी में चेक बाउंस से जुड़े एक मामले में उन्होंने तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण किया था। हालांकि, फिलहाल वे जमानत पर बाहर हैं। इस बीच एक्टर धड़ाधड़ अपने आगामी प्रोजेक्ट पूरे कर रहे हैं। एक प्रोजेक्ट में वे बिग बॉस 19 फेम तान्या मित्तल के साथ नजर आए हैं। दोनों की जुगलबंदी ने दर्शकों को चौंका दिया है।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर तान्या मित्तल खूब चर्चा में रहती हैं। बिग बॉस 19 के बाद तो उनकी लोकप्रियता में और इजाफा हुआ है। दर्शक अब तान्या को स्क्रीन पर राजपाल यादव के साथ देख पाएंगे। सामने आए वीडियो में राजपाल यादव छोटा डॉन बनकर तान्या मित्तल को गुंडों से बचाते हैं। बता दें कि तान्या और राजपाल यादव एक विज्ञापन वीडियो में साथ नजर आए हैं। यह एड एक ब्यूटी सर्विस देने वाली कंपनी से जुड़ा है।

वीडियो काफी फनी है। इसमें देखा जा सकता है कि राजपाल यादव के किरदार को लोग अर्थी पर रखकर अंतिम संस्कार के लिए ले जा रहे हैं। इस बीच तान्या मित्तल को गुंडे परेशान करते हैं और वे अकेली जूझ रही होती हैं। इसी बीच राजपाल यादव अर्थी से उठ जाते हैं और लोगों से कहते हैं, रुको। लोग देखकर कहते हैं, छोटा डॉन। तान्या भी खुश हो जाती हैं और कहती हैं, छोटा डॉन आ गया। राजपाल यादव गुंडों से तान्या को सुरक्षित बचाते हैं। बाद में पता चलता है कि यह एक फर्जी कहानी है, जो तान्या मित्तल लोगों को सुना रही थीं।

इस वीडियो पर दर्शकों के मजेदार कमेंट्स आ रहे हैं। यूजर लिख रहे हैं, इसकी उम्मीद तो हमें बिल्कुल नहीं थी। वहीं, एक यूजर ने लिखा, आग लगा दी। नेटिजन्स तान्या मित्तल की एक्टिंग की जमकर तारीफ कर रहे हैं। बता दें कि तान्या मित्तल अब एक्टिंग की दुनिया में भी कदम रख रही हैं। एकता कपूर ने उन्हें मौका दिया है। खुद तान्या ने बीते दिनों इसकी जानकारी दी थी।

बुधवार को सिनेमाघरों में दिखाया जायेगा कॉकटेल 2 का फर्स्ट लुक

शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना अभिनीत फिल्म कॉकटेल 2 इस साल जून में रिलीज होगी। इससे पहले मार्च में दर्शकों के सामने इसका फर्स्ट लुक सामने आएगा, जो सिनेमाघरों में देखा जा सकेगा।

कृति सेनन ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें लिखा है कि आगामी बुधवार को सिर्फ सिनेमाघरों में फर्स्ट लुक रिलीज होगा। आगे लिखा है, अधिक जानकारी के लिए इस बुधवार 18 मार्च को थिएटर में जरूर जाएं।

फिल्म कॉकटेल 2 की कहानी लव ट्राएंगल पर आधारित बताई जा रही है, जो मॉडर्न लव स्टोरी पर फोकस होगी। बता दें कि फिल्म कॉकटेल 2 19 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन होमी अदजानिया ने किया है। इस साल जनवरी के आखिर में इस फिल्म की शूटिंग खत्म हुई थी।

कॉकटेल 2 साल 2012 में आई फिल्म कॉकटेल का सीक्वल है। इसमें दीपिका पादुकोण, डायना पेंटी और सैफ अली खान लीड रोल में थे। रोमांटिक ड्रामा फिल्म कॉकटेल को दर्शकों का खूब प्यार मिला था। देखना होगा कि सीक्वल क्या कमाल करता है? फिलहाल फर्स्ट लुक के लिए दर्शक उत्साहित हैं।

शाहिद कपूर के वर्क फ्रंट की बात करें तो उनकी पिछली फिल्म ओ रोमियो थी। यह 13 फरवरी 2026 को थिएटर्स में रिलीज हुई, मगर बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के मामले में औसत ही रही। वहीं, रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने हाल ही में विजय देवरकोंडा से शादी रचाई है। रश्मिका की झोली में फिल्म रणबाली भी है, जिसमें वे विजय के साथ नजर आएंगी।

बॉलीवुड | पुरस्कार

आदित्य की आइडियोलॉजी हमेशा से हिंदुत्ववादी रही है : इरा भास्कर

धुरंधर द रिवेंज से पहले स्वरा भास्कर की मां इरा भास्कर का एक हालिया बयान चर्चा में आ गया है। हाल ही में फिल्म स्कोलर इरा भास्कर ने आदित्य धर निर्देशित धुरंधर की आलोचना की। साथ ही उन्होंने आदित्य धर की आइडियोलॉजी पर अपनी राय रखी। उनका कहना है कि आदित्य की आइडियोलॉजी हमेशा से हिंदुत्व को लेकर रही है। यूट्यूब चैनल कारवां-ए-मोहब्बत में इरा भास्कर ने धुरंधर में मुस्लिमों और पाकिस्तानियों को वॉयलेंट दिखाने पर अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा, मैं आपको धुरंधर का उदाहरण देती हूं जो बॉक्स ऑफिस पर करोड़ों रुपये कमा रही है। चूंकि यह इस तरह का सबसे ताजा उदाहरण है और बॉक्स ऑफिस पर भी बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही है। यह एक ऐसी फिल्म है जिसे एक ऐसे फिल्ममेकर (आदित्य धर) ने बनाया है जो हिंदुत्व और हिंदुत्व की विचारधारा में पूरी तरह से विश्वास रखते हैं। इरा भास्कर ने फिल्म में मुस्लिमों को वॉयलेंट दिखाने पर कहा, यह बहुत ज्यादा वॉयलेंट है। इसकी हिंसा एक ऐसी विचारधारा की सोच को बढ़ावा देती है, जिसके अनुसार मुसलमान बहुत हिंसक लोग होते हैं। पाकिस्तान एक बहुत हिंसक देश है। वहां आपको कोई भी नॉर्मल मुसलमान नजर नहीं आता। हर कोई या तो आतंकवादी है या फिर गैंगस्टर। धुरंधर को सच्ची घटनाओं से प्रेरित बताया गया था। इस पर इरा भास्कर ने कहा, यह एक काल्पनिक फिल्म है, जो कथित तौर पर सच्ची घटनाओं पर आधारित है। यह चुनिंदा है, जैसा कि ये सभी फिल्में होती हैं। यह सिर्फ चुनिंदा तौर पर वही चीजें चुनेगी जिन्हें किसी खास विचारधारा को बढ़ावा देने के लिए एक साथ जोड़ा जा सके। आलोचना के साथ-साथ इरा भास्कर ने धुरंधर की तारीफ भी की। उन्होंने फिल्म के तकनीक की तारीफ की है।

LPG सिलेंडर के नीचे क्यों बने होते हैं छोटे छोटे छेद? वजह जानकर रह जाएंगे हैरान

हमारे घर में ऐसी कई चीजें होती हैं जिन्हें हम रोज देखते और इस्तेमाल करते हैं, लेकिन उनसे जुड़ी कई दिलचस्प बातें हमें पता नहीं होतीं। अक्सर हम चीजों को ध्यान से देखते ही नहीं हैं, इसलिए उनसे जुड़े छोटे-छोटे फीचर्स भी नजरअंदाज हो जाते हैं। उदाहरण के लिए वॉशरूम के फ्लश में दो बटन होते हैं, लेकिन बहुत कम लोग सोचते हैं कि एक की जगह दो बटन क्यों दिए जाते हैं। इसी तरह कई और चीजें हैं जिन पर गौर करने से दिलचस्प सवाल पैदा होते हैं। आज हम आपको गैस सिलेंडर से जुड़ी एक ऐसी जानकारी बताने जा रहे हैं, जिसके बारे में बहुत से लोग नहीं जानते। लगभग हर घर में कभी न कभी गैस सिलेंडर का इस्तेमाल जरूर हुआ है। भले ही अब कई जगह पाइपलाइन गैस कनेक्शन आ गया हो, लेकिन पहले ज्यादातर घरों में सिलेंडर ही इस्तेमाल होता था। अगर आपने कभी सिलेंडर को ध्यान से देखा होगा तो उसके नीचे छोटे-छोटे छेद बने नजर आते होंगे। बहुत से लोग इन्हें सिर्फ डिजाइन समझ लेते हैं, लेकिन असल में इनका एक खास काम होता है। दरअसल सिलेंडर के नीचे बनाए गए ये छोटे छेद एयर वेंटिलेशन और तापमान को नियंत्रित रखने के लिए होते हैं। इनकी वजह से सिलेंडर और जमीन के बीच हवा का प्रवाह बना रहता है। इससे नमी जमा नहीं होती और सिलेंडर के निचले हिस्से को जंग लगने से बचाव मिलता है। इसके अलावा गर्म मौसम में यह हवा का प्रवाह सिलेंडर को ज्यादा गर्म होने से भी बचाता है और अंदर बनने वाले दबाव को संतुलित रखने में मदद करता है। इसलिए सिलेंडर के नीचे बने ये छोटे छेद सुरक्षा और टिकाऊपन के लिहाज से काफी अहम माने जाते हैं।

अजब-गजब | इस शहर में छह महीने तक नहीं निकलता सूरज

शीशे के सहारे शहर में पहुंचाई जाती है सूर्य की रोशनी!

इंसान की जिद और विज्ञान का मेल क्या कमाल कर सकता है, इसकी जीती-जागती मिसाल नॉर्वे का एक छोटा सा औद्योगिक शहर रजुकन है। टेलीमार्क की गहरी घाटी में बसा यह शहर अपनी खूबसूरती के लिए तो मशहूर है ही, लेकिन यहां की एक भौगोलिक समस्या ने सालों तक लोगों को परेशान रखा। विशाल और ऊंचे पहाड़ों की गहराई में बसे होने के कारण यहां साल के 6 महीने (सितंबर से मार्च तक) सूरज की एक भी किरण नहीं पहुंच पाती थी। यह पूरा शहर आधे साल तक गहरी परछाईं और अंधेरे में डूबा रहता था। लेकिन 2013 के बाद से यहां की तस्वीर बदल गई है। अब यहां के निवासी पहाड़ की चोटी पर लगे तीन विशालकाय आईनों की मदद से धूप का आनंद लेते हैं। इन जादुई आईनों को पहाड़ की चोटी पर शहर से लगभग 450 मीटर ऊपर लगाया गया है।

ये तीन बड़े 'हेलियोस्टैटिक' शीशे सूरज की रोशनी को सीधे शहर के मुख्य चौराहे तक पहुंचा देते हैं। यह करीब 600 वर्ग मीटर के इलाके को दिन भर धूप से सराबोर रखता है। सबसे कमाल की बात यह है कि ये आईने कोई साधारण शीशे नहीं हैं, बल्कि इन्हें कंप्यूटर द्वारा नियंत्रित किया जाता है। ये आईने हर 10 सेकंड में अपनी दिशा बदलते हैं, ताकि जैसे-जैसे सूरज आसमान में चले, उसकी रोशनी का रिफ्लेक्शन ठीक उसी चौक पर बना रहे। अब रजुकन के लोग सर्दियों में भी चौक पर बैठकर धूप सेंक सकते हैं। हैरान करने वाली बात यह है कि इस शहर को रोशन करने का सपना आज से 100 साल पहले ही देख लिया गया था।

रजुकन के संस्थापक और उद्योगपति सैम ईडे ने यहां एक फर्टिलाइजर फैक्ट्री शुरू की थी। उन्होंने रजुकन को इसलिए चुना, क्योंकि यहां 104 मीटर ऊंचा झरना था, जिससे बिजली बनाना आसान था। ईडे ने इस शहर को बसाने में नॉर्वे के कुल राष्ट्रीय बजट से भी दोगुना पैसा खर्च किया था। वे उसी समय पहाड़ पर आईने लगाना चाहते थे, लेकिन उस दौर में ऐसी तकनीक मौजूद नहीं थी। विकल्प के तौर पर उन्होंने 1928 में क्रोसोबानेन नाम की एक गोंडोला (उड़न खटोला) बनवाई, ताकि लोग पैसे देकर पहाड़ के ऊपर जा सकें और धूप का आनंद ले सकें। यह गोंडोला आज भी चालू है। इस पुराने सपने को दोबारा जिंदा किया साल 2005 में मार्टिन एंडरसन नाम के एक कलाकार ने, जो इसी शहर के निवासी थे। मार्टिन ने सुना था कि अमेरिका के एरिजोना के एक स्टेडियम में घास उगाने के लिए छोटे आईनों का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने इटली के विगानेला शहर के बारे में भी पढ़ा, जहां रजुकन की तरह ही पहाड़ों की परछाईं से बचने के लिए आईने लगाए गए थे। मार्टिन ने शहर प्रशासन को मनाया और करीब 5 करोड़ रुपये (5 मिलियन नॉर्वेजियन क्रोन) का निवेश जुटाया। इसमें ज्यादातर पैसा उसी कंपनी (नॉर्क हाइड्रो) ने दिया, जिसे सैम ईडे ने बनाया था। आज रजुकन का यह 'सन मिरर' प्रोजेक्ट दुनिया भर के पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है। लोग यह देखने खिंचे चले आते हैं कि कैसे इंसान ने प्रकृति की सीमाओं को पार कर अपने लिए रोशनी का इंतजाम कर लिया। जहां पहले लोग आधे साल तक डिप्रेशन और अंधेरे में रहते थे, अब वे सूरज की रोशनी में मुस्कुराते हुए नजर आते हैं। यह कहानी साबित करती है कि अगर इंसान के पास सही तकनीक और मजबूत इरादा हो, तो वह पहाड़ों को भी आईना दिखा सकता है।

ममता का चुनाव से पहले मास्टरस्ट्रोक

पश्चिम बंगाल में विधान सभा चुनावों का असर तेज

5 नए विकास बोर्ड बनाने का मुख्यमंत्री ने किया ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में चुनावों का असर तेज होने लगा है। टीएमसी सरकार चौथी बार सराकर बनाने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य के हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए पांच नए सांस्कृतिक एवं विकास बोर्डों की घोषणा की। उन्होंने कहा कि ये बोर्ड उनकी अनूठी भाषाओं और परंपराओं की रक्षा करते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और रोजगार सुनिश्चित करेंगे।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने लिखा, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हमारी सरकार जल्द ही मुंडा (अनुसूचित जनजाति), कोरा (अनुसूचित जनजाति), डोम (अनुसूचित जनजाति), कुंभकार (अन्य पिछड़ा वर्ग) और सदगोपे (अन्य पिछड़ा वर्ग) समुदायों के लिए पांच नए सांस्कृतिक एवं विकास बोर्डों का गठन करने जा रही है। ये समुदाय बंगाल की जीवंत संस्कृति का अभिन्न अंग हैं। मैं उन सभी को हार्दिक बधाई देती हूं।

पारंपरिक अधिकारों की रक्षा करना आवश्यक: ममता

उन्होंने आगे कहा कि इन बोर्डों का उद्देश्य पारंपरिक अधिकारों की रक्षा करना और समुदायों का सामाजिक-आर्थिक विकास सुनिश्चित करना है। ये बोर्ड उनकी अनूठी भाषाओं और परंपराओं की रक्षा करते हुए बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और रोजगार सुनिश्चित करेंगे। वे पारंपरिक अधिकारों की रक्षा करेंगे और आगे सामाजिक-आर्थिक विकास लाएंगे। 2013 से हमने अपने कमजोर समुदायों के लिए ऐसे कई बोर्ड स्थापित किए हैं, जो उनके सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करते हैं। एक्स पर पोस्ट में लिखा था कि मां, माटी, मानुष के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का अर्थ है कि हम यह सुनिश्चित करने के लिए समर्पित हैं कि कोई भी समुदाय पीछे न छूटे। हमारा लक्ष्य सरल है समावेशी प्रगति और अटूट समर्थन के माध्यम से हर चेहरे पर मुस्कान लाना। जय बांग्ला।

टीएमसी के दांव में फंसेगी भाजपा

यह 2026 के बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले आया है, जहां तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश करेगी, जो पिछले चुनावों में 77 सीटें जीतने के बाद इस बार भी जीत हासिल करना चाहेगी। यह कदम राष्ट्रपति मुर्मू की हाल ही में बंगाल यात्रा को लेकर हुए राजनीतिक विवाद के बाद उठाया गया है। 7 मार्च को आयोजित एक संथाल सम्मेलन के दौरान, राष्ट्रपति ने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं पर निराशा व्यक्त की और आयोजन स्थल के चयन पर सवाल उठाते हुए कहा कि संथाल समुदाय के कई सदस्य कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके क्योंकि यह एक दूरस्थ क्षेत्र में स्थित था। उन्होंने कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और अन्य राज्य मंत्रियों की अनुपस्थिति पर भी ध्यान दिलाया।

बिगड़ गई है तेलंगाना की कानून व्यवस्था: केटीआर

बीआरएस नेता ने अमित शाह को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। बीआरएस ने तेलंगाना की कांग्रेस सरकार को आड़े हाथों लिया है। भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर तेलंगाना में बिगड़ती कानून व्यवस्था और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से जुड़ी बेनामी कंपनी केएलएसआर इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड को सरकारी ठेकों के कथित अनियमित आवंटन पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। अपने पत्र में केटीआर ने आरोप लगाया कि इंफ्राटेक से संबंधित मामलों की जांच के दौरान राज्य सरकार ने सीएम के निर्देश पर सबूतों से छेड़छाड़ की। उन्होंने इसे बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया कि सरकारी अधिकारियों ने उच्च न्यायालय को सूचित किया कि मामले में जुटाए गए महत्वपूर्ण सबूत गायब हो गए हैं।

केटीआर ने कहा कि यह घटना राज्य में कानून व्यवस्था की भयावह गिरावट और जांच एजेंसियों पर डाले जा रहे दबाव को दर्शाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने अपने अधिकार का दुरुपयोग किया और अपनी बेनामी कंपनी को बचाने के लिए अधिकारियों पर सबूत नष्ट करने का दबाव डाला। उन्होंने आगे कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति इतनी बिगड़ गई है कि पुलिस और जांच एजेंसियों पर जनता का भरोसा बुरी तरह से कम हो गया है। केटीआर ने कहा कि कंपनी के दिवालियापन की कार्यवाही चल रही होने के बावजूद, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने केएलएसआर को बड़े सरकारी ठेके दिए हैं। रिपोर्टों के अनुसार, दिवालियापन की कार्यवाही चल रही होने के बावजूद कंपनी को 2,500 करोड़ रुपये से अधिक के ठेके आवंटित किए गए हैं। इनमें सिंचाई परियोजनाएं, पेयजल आपूर्ति परियोजनाएं, यंग इंडिया इंटीग्रेटेड स्कूल परियोजनाएं और प्रमुख सड़क निर्माण कार्य शामिल हैं। विज्ञप्ति के अनुसार, केटीआर ने कहा कि ऐसे फैसले सरकारी खरीद मानदंडों के अनुपालन, वित्तीय पात्रता और निविदा प्रक्रिया में पारदर्शिता पर गंभीर सवाल उठाते हैं।

यूसीसी के नाम पर हिंदू कानून मुसलमानों पर लागू नहीं कर सकते

एआईएमआईएम प्रमुख ओवैसी बोले- इस्लाम में शादी एक कॉन्ट्रैक्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हाल में मुस्लिम महिलाओं के हक पर सुनवाई करते हुए कहा कि अब समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने का समय आ गया है। सर्वोच्च न्यायालय की इस टिप्पणी पर सियासी घमासान छिड़ गया है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, यूनिफॉर्म सिविल कोड के नाम पर हिंदू कानून, मुसलमानों पर लागू नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा, इस्लाम में शादी महज एक कॉन्ट्रैक्ट है, यह जिम्मेदारी नहीं है। हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी का एक वीडियो पोस्ट किया।

जिसमें उन्होंने कहा, आप यूसीसी के नाम पर हिंदू कानून मुसलमानों पर लागू नहीं कर सकते हैं। निकाह हमारे के लिए धार्मिक संस्कार नहीं है, यह धर्म का हिस्सा है। उन्होंने कहा, जेंडर जस्टिस करने वाले जकिया जाफरी से मुलाकात नहीं करते हैं। ओवैसी ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, समान नागरिक संहिता की चर्चा एक बार फिर से शुरू हो गई है। यूसीसी की बात करने वालों याद रखो कि इस्लाम में शादी एक कॉन्ट्रैक्ट है। जन्म-जन्म की बात नहीं है। उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट का जजमेंट है कि हिंदू धर्म में अगर पत्नी ने सास-ससुर की खातिरदारी नहीं की तो यह क्रूरता है, जबकि इस्लाम में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। मां-बाप की जिम्मेदारी बेटे की है।

मोइत्रा केस में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा एक्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लोकपाल की सीबीआई जांच वाले हाईकोर्ट के आदेश पर रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें लोकपाल को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता महुआ मोइत्रा के खिलाफ सीबीआई को आरोपपत्र दाखिल करने की मंजूरी देने की अनुमति दी गई थी। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ लोकपाल की याचिका पर मोइत्रा, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और भाजपा सांसद तथा शिकायतकर्ता निशिकांत दुबे को नोटिस जारी किया।

19 दिसंबर 2025 को, उच्च न्यायालय ने लोकपाल के उस आदेश को रद्द कर दिया था जिसमें सीबीआई को कथित पूछताछ के बदले नकद घोटाले में मोइत्रा के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल करने की अनुमति दी गई थी। उच्च न्यायालय ने उस निर्णय के पैरा 89 में कहा था लोकपाल से अनुरोध है कि वे लोकपाल अधिनियम की धारा 20 के तहत स्वीकृति प्रदान करने के लिए, ऊपर वर्णित प्रावधानों के अनुसार, आज से एक महीने की अवधि के भीतर अपने विचार प्रस्तुत करें। मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने लोकपाल अधिनियम की धारा 20 के तहत सूचीबद्ध शक्तियों और प्रक्रियाओं से संबंधित कई याचिकाओं पर नोटिस जारी करते हुए उच्च न्यायालय के फैसले के अनुच्छेद 89 पर रोक लगा दी। सवाल-जवाब के बदले नकद मामला इस आरोप से संबंधित है कि मोइत्रा ने एक व्यवसायी से नकद और उपहार लेकर लोकसभा में प्रश्न पूछे थे। उच्च न्यायालय का फैसला मोइत्रा की उस याचिका पर आया था जिसमें उन्होंने 12 नवंबर, 2025 के उस लोकपाल आदेश को चुनौती दी थी जिसमें सीबीआई को उनके खिलाफ आरोपपत्र दाखिल करने की अनुमति दी गई थी। उच्च न्यायालय द्वारा अपने आदेश को रद्द करने के बाद लोकपाल ने सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया था।

संसद में सांसदों को चाय तक नहीं मिल रही: जावेद

नई दिल्ली। भारत में जारी एलपीजी संकट के बीच, कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने सरकार के दावों और जमीनी हकीकत के बीच के गहरे अंतर को उजागर किया। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि सांसदों को संसद में चाय तक नहीं मिल पा रही है और उन्होंने कालाबाजारी और सिलेंडर की 1,500 से 2,000 रुपये तक की बढ़ी हुई कीमतों का हवाला दिया।

जावेद ने सरकार के स्थिति से निपटने के तरीके पर सवाल उठाते हुए कहा कि इसमें कोई शक नहीं कि कमी है। मैं रोजा रख रहा हूं, लेकिन कल संसद में इस बात पर चर्चा हुई कि जब सांसदों ने संसद कैंटीन में चाय या कॉफी मांगी, तो बताया गया उपलब्ध नहीं है। सांसद ने कहा कि और फिर भी, आप कहते हैं कि घबराने की कोई बात नहीं है। इसी बीच, वित्त मंत्री ने एलपीजी आपूर्ति से जुड़े मुद्दों पर विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि वे देश के हित में सरकार के साथ खड़े होने के बजाय गैर-जिम्मेदाराना रुख अपना रहे हैं।

अधिक वनडे खेलने पर विचार कर रहा बीसीसीआई

कई देशों के क्रिकेट बोर्ड ने भारत के सामने रखा प्रस्ताव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत का 2026 में अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम बेहद व्यस्त है। बीसीसीआई इसे और व्यस्त बनाने पर विचार कर रहा है। वनडे विश्वकप 2027 से पहले भारतीय टीम के वनडे मैचों की संख्या बढ़ सकती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक कई क्रिकेट बोर्ड ने बीसीसीआई से पूर्व निर्धारित वनडे दौरों में मैचों की संख्या बढ़ाने का अनुरोध किया है। अनुरोध करने वाले बोर्ड में इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, आयरलैंड और श्रीलंका शामिल हैं। अतिरिक्त वनडे मैच से इन क्रिकेट बोर्डों को आर्थिक फायदा होगा। वनडे मैचों की संख्या बढ़ाने का अनुरोध करने की वजह रोहित शर्मा और विराट कोहली भी हैं। दोनों ही दिग्गज सिर्फ वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं।

अगर वनडे मैच ज्यादा होंगे तो रोहित और विराट को ज्यादा खेलने का मौका मिलेगा और इसका फायदा इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, आयरलैंड और श्रीलंका जैसे क्रिकेट बोर्ड को होगा। रोहित और विराट की वजह से दर्शकों की क्षमता में वृद्धि होनी है। आईपीएल 2026 के बाद भारत को तीन वनडे मैचों की सीरीज अफगानिस्तान से खेलनी है। इसके बाद तीन वनडे इंग्लैंड से खेलेगी। जिसकी संख्या बढ़ सकती है। अगस्त में श्रीलंका बीसीसीआई के साथ सीमित ओवर के मुकाबले जोड़ने के लिए बातचीत कर रहा है। बांग्लादेश और यूएई में अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज को लेकर अनिश्चितता के कारण, भारत इस दौरान अतिरिक्त मैच चाह सकता है। आयरलैंड सीरीज के मैच भी फिलहाल तय नहीं हैं।

आईपीएल से पहले केकेआर को झटका, हर्षित राणा का खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली। तीन बार की चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स को आईपीएल 2026 से पहले झटका लग सकता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, टीम के तेज गेंदबाज हर्षित राणा अभी फिट नहीं हो सके हैं जिस कारण उनका टूर्नामेंट में खेलना संदिग्ध है। बताया जा रहा है कि हर्षित आईपीएल से बाहर हो गए हैं, लेकिन अब तक इसे लेकर फ्रेंचाइजी की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। हर्षित को टी20 विश्वकप में अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास मैच के दौरान चोट लगी थी। उन्होंने उस मैच में एक ओवर डाला था, लेकिन दर्द के कारण उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था। हलांकि केकेआर ने शुक्रवार को जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी के साथ करार करने की पुष्टि की है। अब आईपीएल में खेलने के कारण मुजरबानी पाकिस्तान सुपर लीग में इस्लामाबाद युनाइटेड के लिए नहीं खेल सकेंगे। मुजरबानी हाल ही में संपन्न हुए टी20 विश्वकप में जिम्बाब्वे के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। उन्होंने छह मैचों में 13 विकेट झटके थे।

मोदी ने देश की एनर्जी सिक्योरिटी से समझौता कर दिया : राहुल गांधी

नेता प्रतिपक्ष ने कहा- हरदीप पुरी की बेटी की कंपनी में जॉर्ज सोरोस का पैसा लगा है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और रायबरेली से सांसद व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पीएम मोदी और भाजपा पर करारा वार किया। कांग्रेस नेता ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने देश की एनर्जी सिक्योरिटी से समझौता कर दिया है, क्योंकि अब अमेरिका तय कर रहा है कि हम तेल कहां से लेंगे?

मैंने संसद में एपस्टीन का नाम लिया तो स्पीकर ने मुझे बोलने से रोक दिया। मंत्री हरदीप पुरी पहले से ही कंप्रोमाइज्ड हैं। इनका नाम एप्सटीन फ़ाइलों में है और ये एप्सटीन के दोस्त रहे हैं। हरदीप पुरी की बेटी की कंपनी में जॉर्ज सोरोस का पैसा लगा है- जैसे ही मैंने संसद में ये बात रखी तो स्पीकर ने फिर मुझे बोलने से रोक दिया। यानी नरेंद्र मोदी दोनों साइड से फंसे हैं। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के संस्थापक कांशीराम की जयंती समारोह में शामिल हुए। इस दौरान कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाषण देने से पहले मैं सोच रहा था कि अंबेडकर जी शिक्षा के बारे में क्या कहते थे।

वे संगठन के महत्व पर जोर देते थे। और जब कांशीराम जी रात में उत्तर प्रदेश का दौरा करते थे, तो वे अपने साथ कलम रखते थे। वे यह भी कहते थे कि कलम इस तरह से बनाई जानी चाहिए कि समाज के 15 प्रतिशत लोगों को तो लाभ मिले ही, साथ ही 85 प्रतिशत लोगों को भी लाभ मिलना चाहिए; उन्हें भी इस प्रक्रिया में शामिल किया जाना चाहिए। लेकिन अब क्या हो गया है?

भाजपा ने कलम को उसके ढक्कन से अलग कर दिया है

राहुल ने साफ तौर पर कहा कि भाजपा ने एक नई व्यवस्था शुरू कर दी है। भाजपा ने कलम को उसके ढव कन से अलग कर दिया है। उन्होंने ढक्कन को कहीं फेंक दिया है–पता नहीं कहाँ–और अब वे सिर्फ कलम लेकर घूम रहे हैं। मैंने एक बार किसी और से इस बारे में बात की थी–हालांकि मैं यह नहीं कह सकता कि ऐसा करना सही था या गलत–लेकिन मेरा मानना है कि अगर जवाहरलाल नेहरू आज जीवित होते, तो कांशीराम जी कांग्रेस के मुख्यमंत्री होते। आज हम कांशीराम जी के संघर्ष, उनके विजन और भारत की राजनीति पर उनके प्रभाव को याद करते हैं और दिल से उनका धन्यवाद करते हैं।

मोदी वही कर रहे हैं जो अमेरिका कह रहा

नरेंद्र मोदी वही कर रहे हैं, जो अमेरिका कह रहा है। नरेंद्र मोदी को ब्लैकमेल किया जा रहा है। अमेरिका के साथ ट्रेड डील पिछले चार महीने से रुकी हुई थी, क्योंकि सरकार कृषि सेक्टर से समझौता नहीं करना चाहती थी। लेकिन संसद में मेरे भाषण के तुरंत बाद नरेंद्र मोदी ने ट्रंप को फोन किया और ट्रेड डील के लिए हामी भर दी, जिसके बाद ट्रंप ने ट्वीट कर दिया। जो डील पिछले चार महीने से रुकी हुई थी, नरेंद्र मोदी ने वो डील Epstein फाइल और अडानी के कारण 15 मिनट में फाइनल कर दी।

जिस दिन हम अमीर पार्टी बन जाएंगे, उस दिन हम बीजेपी हो जाएंगे

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी अमीर होना ही नहीं चाहती। कांग्रेस पार्टी का ये डिजाइन गांधी जी के समय से ही है। जिस दिन हम अमीर पार्टी बन जाएंगे, उस दिन हम बीजेपी हो जाएंगे। ये बात हमें लोकसभा चुनाव के दौरान समझ आई, जब हमारे सारे खाते फ्रीज कर दिए गए, लेकिन हमें कोई फर्क नहीं पड़ा। ऐसा इसलिए क्योंकि ये विचारधारा की पार्टी है, जिसे कोई रोक नहीं सकता। नरेंद्र मोदी साइकोलॉजिकली खत्म हो गए हैं। उन्होंने कहा कि संविधान वो शक्ति है, जिसने सभी देशवासियों को आगे बढ़ने का अवसर दिया है- समानता और सम्मान का अधिकार दिया है। हम हर कीमत पर इसकी रक्षा करते रहेंगे।

पालघर में दर्दनाक हादसा

पुलिस की पिटाई के डर से भागे तीन युवक मालगाड़ी की चपेट में आने से मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के पालघर शहर से एक रूह कंपा देने वाली खबर सामने आई है। पालघर ईस्ट के जैन मंदिर इलाके में पुलिस की कथित कार्रवाई और लाठीचार्ज से बचने की कोशिश में तीन युवकों ने अपनी जान गंवा दी। रेलवे ट्रैक पार करते समय तीनों युवक एक तेज रफ्तार मालगाड़ी की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। चश्मदीदों और परिजनों का आरोप है कि तभी स्थानीय पुलिस वहां पहुंची और अचानक लाठीचार्ज शुरू कर दिया।

पुलिस के डर से युवक बदहवास होकर पास के रेलवे ट्रैक की ओर भागने लगे, जहाँ वे सामने से आ रही मालगाड़ी को देख नहीं पाए। यह दुखद घटना पालघर ईस्ट के ओल्ड पालघर स्थित जैन मंदिर के पास हुई। यहां तीन युवक स्वप्निल शैलेश पालंदे (23), कुणाल कुमार दुबला (23) और अफरोज खलील शेख (28)जो सभी पालघर ईस्ट के वीरेंद्र नगर के रहने वाले थे, काल के गाल में समा गए। चश्मदीदों और परिजनों के बयानों के अनुसार, जब स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची, तो यह युवकों का समूह वहीं मौजूद था। आरोप है कि पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया, जिससे घबराकर पीड़ित युवक पास में स्थित रेलवे ट्रैक की ओर भागने लगे। जान बचाने की अपनी इस हताश कोशिश में, वे ट्रैक पार करके सीधे सामने से आ रही एक मालगाड़ी के रास्ते में आ गए, जिसके परिणामस्वरूप उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

होर्मुज स्ट्रेट से निकला भारत का दूसरा एलपीजी से लदा जहाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिका-इजरायल युद्ध के बीच ईरान ने भारतीय झंडे वाले टैंकरों को होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित रास्ता दिया है। भारतीय झंडे वाले एलपीजी टैंकर शिवालिक ने सफलतापूर्वक इस स्ट्रेट को पार कर लिया है और अब दूसरा एलपीजी जहाज नंदा देवी भी इस अहम तेल मार्ग से सुरक्षित बाहर निकल गया है।

सरकारी सूत्रों ने शनिवार को बताया कि शिवालिक को भारतीय नौसेना सुरक्षा दे रही है। उम्मीद है कि यह जहाज अगले दो दिनों के भीतर किसी भारतीय बंदरगाह पर पहुंच जाएगा और इसका संभावित गंतव्य मुंबई या कांडला हो सकता है। यह जहाज अब खुले समुद्र में पहुंच चुका है और भारतीय नौसेना के मार्गदर्शन में सुरक्षित रूप से आगे बढ़ रहा है।

बिहार के अगले सीएम का फैसला गठबंधन का शीर्ष नेतृत्व ही करेगा : झा

» जदयू ने कहा-पांच राज्यसभा सीटों पर जीत का पूरा भरोसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जनता दल (यूनाइटेड) के सांसद संजय कुमार झा ने कहा कि राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को बिहार की सभी पांच राज्यसभा सीटों पर जीत का पूरा भरोसा है और उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य के अगले मुख्यमंत्री का फैसला गठबंधन का शीर्ष नेतृत्व ही करेगा।

मीडिया से बात करते हुए झा ने कहा कि राज्य में आगामी राजनीतिक घटनाक्रमों के मद्देनजर पार्टी की तैयारियों के तहत जेडीयू विधायक दल की बैठकें आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि विधायक दल की बैठक उपेंद्र कुशवाहा के आवास पर हो रही है, कल यह बैठक मंत्री विजय कुमार चौधरी के आवास पर होगी। राज्यसभा चुनावों में एनडीए की संभावनाओं पर विश्वास जताते हुए झा ने कहा कि गठबंधन को क्लीन स्वीप की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि हम सभी पांच राज्यसभा सीटें जीतेंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के उत्तराधिकारी के सवाल पर झा ने कहा कि इस मामले का फैसला एनडीए के शीर्ष नेता मिलकर करेंगे। उन्होंने कहा कि एनडीए के शीर्ष नेता ही तय करेंगे कि बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन बनेगा। ये टिप्पणियां बिहार में चल रहे राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच आई हैं, जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हाल ही में राज्यसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया, जिससे राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में उनके लंबे कार्यकाल के अंत का संकेत मिला। कुमार ने पहले जोर देकर कहा था कि केंद्र सरकार के सहयोग से बिहार लगातार प्रगति कर रहा है। इस सप्ताह की शुरुआत में मधेपुरा में समृद्धि यात्रा के दौरान एक सभा को संबोधित करते हुए नीतीश कुमार ने कहा कि राज्य में विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है।

ईरानी हमले और हुए घातक, आईआरजीसी ने दी चेतावनी

» यूएस और इस्राइल को चुकानी होगी खून की कीमत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तेहरान। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और घातक हो गया है। सेना के प्रवक्ता ने चेताया कि अमेरिका और इस्राइल हर कतरा खून की कीमत चुकाएंगे। उन्होंने बताया कि ईरानी सेना के इस चरण में सटीक मिसाइलें और ड्रोन दुश्मन के सैन्य ठिकानों और कमांड केंद्रों को निशाना बना रहे हैं।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-ब-दिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब 15वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। इसी उग्र हालात के बीच अब ईरान ने अमेरिका और इस्राइल को सख्त चेतावनी देते हुए 'ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4' की 46वां चरण शुरू किया है। इसकी शुरुआत के एलान के साथ ईरान ने सख्त चेतावनी दी है कि इस युद्ध की शुरुआत करने के लिए अमेरिका और यहूदियों को हर एक बूंद खून का हिसाब चुकाना पड़ेगा। मामले में ईरान के खताम अल-अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रवक्ता एब्राहीम जोल्फाघरी ने शनिवार को टेलीविजन पर संबोधन देते हुए कहा कि अमेरिका और इस्राइल इस युद्ध में हर एक बूंद अन्यायपूर्वक बहाए गए खून का हिसाब चुकाएंगे और जो भी नुकसान किए हैं उसका हरजाना भरेंगे। जोल्फाघरी ने जोर देकर कहा कि यह अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक आखिरी निर्दयी और बच्चों को मारने वाले अपराधी का विनाश नहीं हो जाता।

अमेरिका का ईरान के खार्ग द्वीप पर हमले का दावा

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बताया कि अमेरिकी सेना ने ईरान के खार्ग द्वीप पर स्थित सैन्य ठिकानों को पूरी तरह नष्ट कर दिया है। साथ ही चेतावनी दी कि अगला निशाना वहां का तेल बुनियादी ढांचा हो सकता है। फ़ारस की खाड़ी में स्थित यह छोटा द्वीप ईरान के तेल निर्यात का मुख्य मार्ग है। ट्रंप ने वीकेंड में फ्लोरिडा जाने की तैयारी करते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में इस बड़े हमले के बारे में बताया। हालांकि, एयर फ़ोर्स वन में सवार होने से पहले राष्ट्रपति ने अपने साथ यात्रा कर रहे पत्रकारों के सवालों के जवाब दिए, लेकिन उन्होंने ईरान के खिलाफ लेटेस्ट अमेरिकी सैन्य ऑपरेशन का कोई जिक्र नहीं किया।

बगदाद में अमेरिकी दूतावास पर ईरान का हमला

खर्ग द्वीप पर अमेरिकी हमले के बाद इराक के बगदाद में अमेरिका के दूतावास पर मिसाइल से हमला किया गया है। इस बात की जानकारी न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने सुरक्षा सूत्रों के हवाले से दी है। इराकी सुरक्षा सूत्रों ने शनिवार को रॉयटर्स को बताया कि इराक की राजधानी बगदाद में अमेरिकी दूतावास पर मिसाइल हमला हुआ। सूत्रों ने बताया कि इस हमले के कारण दूतावास की इमारत से धुआं उठने लगा। हालांकि उन्होंने इससे हुए नुकसान के बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। ईरान के सरकारी ब्रॉडकास्टर प्रेस टीवी की एक रिपोर्ट के अनुसार, बगदाद में अमेरिकी दूतावास के रडार सिस्टम को निशाना बनाने के लिए एक सुसाइड ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। इराकी सूत्रों का हवाला देते हुए रिपोर्ट में बताया गया कि इस मिशन का मुख्य निशाना दूतावास परिसर के भीतर स्थित इलेक्ट्रॉनिक पहचान उपकरण थे।

उन्होंने शहीदों के खून की पाबंदी की कसम खाई और कहा कि सिर्फ अल्लाह से ही जीत संभव है।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 । Email : daily4pm@gmail.com । website: www.4pm.co.in ।
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।
स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा